सांध्य दैनिक 4PM
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 75 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 19 अप्रैल, 2023
मूल्य ₹ 3/-
जिद...सच की

सफल रिश्ते इस बात पर निर्भर नहीं करते कि हमारे बीच कितनी अच्छी अंडरस्टैंडिंग है। बल्कि इस पर निर्भर करता है कि हम कितने अच्छे से मिसअंडरस्टैंडिंग से बच पाते हैं। -ब्रह्माकुमारी शिवानी

खतरे में आ सकती है भाजपा एकनाथ... 8
फिर बाहर निकला जातिगत जनगणना... 3
लू के थपेड़ों ने किया बेहाल, मौसम... 7

अतीक-अशरफ हत्याकांड

तीनों शूटरों को कोर्ट ने दी रिमांड

» चार दिन तक पुलिस करेगी पूछताछ

» 100 से ज्यादा सवाल तैयार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। प्रयागराज में माफिया अतीक अहमद और अशरफ की हत्या करने वाले तीनों शूटरों को कोर्ट की ओर से चार दिन की पुलिस रिमांड मंजूर कर दी गई है। बुधवार की सुबह पुलिस उनको प्रतापगढ़ जेल से लेकर सीजीएम कोर्ट पहुंची। माफिया अतीक और अशरफ की ताबड़तोड़ गोलियां बरसाकर हत्या करने वाले शूटर लवलेश तिवारी, सनी सिंह और अरुण मौर्य को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की कोर्ट में पेशी के लिए सीजेएम कोर्ट लाया गया पुलिस की रिमांड अर्जी पर कोर्ट में सुनवाई हुई। पुलिस ने तीनों शूटरों की 14 दिन की रिमांड मांगी है। लेकिन कोर्ट ने आरोपियों को रिमांड पर भेज दिया है।

पुलिस की टीम ने आरोपियों से पूछताछ के लिए 100 से ज्यादा सवाल तैयार किए हैं। कोर्ट ने पुलिस को 4 दिन की रिमांड दे दी। पुलिस ने 7 दिन की रिमांड मांगी थी। सीजेएम कोर्ट नंबर 10 में जज दिनेश कुमार गौतम ने रिमांड पर फैसला सुनाया। तीनों को किसी सीक्रेट प्लेस पर लेकर गई है। उपायुक्त क्राइम सतीश चंद्र, एसीपी सत्येंद्र तिवारी और इंस्पेक्टर ओम प्रकाश तीनों से पूछताछ कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, आरोपियों से मोबाइल और हथियार को लेकर सवाल होंगे। पुलिस की टीम क्राइम सीन रिक्रिएट कर सकती है। मंगलवार को हत्याकांड की जांच के लिए गठित एसआईटी टीम ने मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) दिनेश कुमार गौतम की कोर्ट में प्रार्थना पत्र देकर आरोपियों को तलब करने की मांग की थी।

कचहरी छावनी में तब्दील रहा

शूटरों को कचहरी तक लाए जाने के दौरान पूरे रास्ते चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा बल तैनात हैं। कचहरी छावनी में तब्दील है। जांच एजेंसियों के साथ-साथ आरएएफ और पीएसी के जवानों की तैनाती है। सूत्रों के हवाले से खबर है कि अतीक की पत्नी शाइस्ता परवीन और आयशा नूरी कौशांबी के कछार में छिपे हैं। शाइस्ता और आयशा के साथ शूटर साबिर भी है। शाइस्ता और आयशा नूरी लगातार नंबर बदल रहे हैं।

5 पुलिसकर्मी सस्पेंड

अतीक-अशरफ हत्याकांड के तीन दिन बाद बुधवार को प्रयागराज के 5 पुलिसकर्मियों को सस्पेंड किया गया है। एसआईटी की पूछताछ के बाद पुलिस विभाग ने ये ऐक्शन लिया है। जिन पर यह कार्रवाई की गई है, उनमें शाहगंज एसओ अश्वनी कुमार सिंह के अलावा दो सब इंस्पेक्टर और दो कॉन्स्टेबल शामिल हैं।उ कहा जा रहा है कि पुलिस ने इसके लिए 100 सवाल तैयार किए हैं। पुलिस को इन आरोपियों के मोबाइल की तलाश है। इनसे यह पता करने की कोशिश की जाएगी की आखिरी वक्त में ये किन लोगों के संपर्क में थे।

पांच हजार करोड़ से ज्यादा की बेनामी संपत्ति

पुलिस के साथ-साथ इस मामले में ईडी भी जांच कर रही है। अभी तक मालूम चला है कि अतीक और उसके परिवार के पास पांच हजार करोड़ से ज्यादा की बेनामी संपत्ति है। इस मामले में शहर के बड़े बिल्डर संजीव अग्रवाल और कार शोरूम मालिक दीपक भार्गव से भी ईडी ने पूछताछ की। वहीं माफिया अतीक की बीवी शाइस्ता परवीन का अरबों रुपये का कारोबार हरियाणा तक फैला हुआ है। वह रियल एस्टेट की बड़ी कारोबारी है। एसटीएफ को प्रयागराज से लेकर हरियाणा के गुरुग्राम तक फैलीं उसकी कई कंपनियों के बारे में पता चला है। इसकी पुष्टि भी हुई है कि अतीक के जेल जाने के बाद से वही काले कारोबार की कमान संभाले हुए है। एसटीएफ जल्द इन कंपनियों के दफ्तर सील करते हुए जब्तीकरण कर सकती है।

एसटीएफ ने लखनऊ के बिल्डर मोहम्मद मुस्लिम को उठाया

यूपी एसटीएफ ने लखनऊ के बिल्डर मोहम्मद मुस्लिम को पूछताछ के लिए उठाया है। मंगलवार को अतीक अहमद के बेटे असद और बिल्डर मोहम्मद मुस्लिम से बातचीत का ऑडियो वायरल हुआ था, जिसके बाद से एसटीएफ ने पूछताछ के लिए बिल्डर मोहम्मद मुस्लिम को उठाया है। इसी बिल्डर से रंगदारी मांगने के मामले में अतीक अहमद पर मुकदमा भी दर्ज हुआ था। वायरल ऑडियो की बातचीत में ये साफ पता चल रहा है कि मोहम्मद मुस्लिम असद से मिलने से बच रहा है। असद अतीक अहमद का तीसरे नंबर का बेटा है और उमेश पाल हत्याकांड में 13 अप्रैल को झांसी में एसटीएफ ने मार गिराया था। अतीक अहमद और अशरफ हत्याकांड के बीच मंगलवार को असद और लखनऊ के बिल्डर मोहम्मद मुस्लिम के दो ऑडियो वायरल हुए थे।

गुड्डू मुस्लिम के घर पर चलेगा बुलडोजर

उमेश पाल हत्याकांड का मुख्य आरोपी गुड्डू मुस्लिम के घर पर प्रयागराज विकास प्राधिकरण बुलडोजर चला सकता है। ने गुड्डू के घर पर नोटिस चस्पा कर दिया था। इसमें निर्माण को अवैध बताया है। 18 अप्रैल तक इसे हटाने का निर्देश दिया था। साथ ही चेतावनी दी थी कि अगर नहीं हटाया गया तो प्राधिकरण घर गिरा देगा। नोटिस पीरियड का समय खत्म हो गया है। गुड्डू मुस्लिम पर 5 लाख का इनाम है। पहले दावा किया गया था कि गुड्डू मुस्लिम की आखिरी लोकेशन

कर्नाटक में मिली थी। इसके बाद एसटीएफ की टीम उसे पकड़ने के लिए नासिक से कर्नाटक गई थी। स्ज्जस्न की टीम ने गिरफ्तारी के लिए इलाके की घेराबंदी भी करनी शुरू कर दी।

सख्त सुरक्षा में कोर्ट लाया गया

तीनों हमलावरों को सुबह सीजेएम कोर्ट सख्त सुरक्षा के बीच लाया गया। जांच एजेंसियों को इन पर हमले के इनपुट्स मिले थे। तीनों हमलावरों को 17 अप्रैल को प्रयागराज जेल से प्रतापगढ़ जेल में शिफ्ट किया गया था। प्रयागराज में कॉल्विन हॉस्पिटल के बाहर 15 अप्रैल की रात करीब साढ़े 10 बजे तीनों ने पुलिस सुरक्षा के बीच ताबड़तोड़ गोलियां मारकर अतीक और उसके भाई अशरफ की हत्या कर दी थी। इसके बाद तीनों ने सरेंडर कर दिया था।

आसाद कालिया गिरफ्तार

माफिया अतीक अहमद गिरोह के एक और शूटर आसाद कालिया को यूपी पुलिस ने बुधवार को प्रयागराज से गिरफ्तार किया है। कालिया माफिया अतीक का बेहद करीबी सदस्य बताया जाता है। असाद कालिया कई मामलों में वांछित चल रहा था। माफिया अतीक अहमद गिरोह के एक और शूटर आसाद कालिया को यूपी पुलिस ने बुधवार को प्रयागराज से गिरफ्तार किया है। कालिया माफिया अतीक का बेहद करीबी सदस्य बताया जाता है। असाद कालिया कई मामलों में वांछित चल रहा था। पुलिस ने उसपर 50 हजार का इनाम घोषित किया था।

भाजपा सरकार में कानून-व्यवस्था पूरी तरह से फेल : अखिलेश

सपा अध्यक्ष बोले-महिलाओं और बच्चियों पर अपराध के मामले में उप्र टॉप पर

» पूर्व मंत्री शारदा प्रताप शुक्ल के निधन पर जताया गहरा शोक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि महिलाओं और बच्चियों पर अपराध के मामले में उत्तर प्रदेश देश में टॉप पर है। भाजपा सरकार में कानून-व्यवस्था पूरी तरह से फेल हो चुकी है। दिनदहाड़े सड़क पर हत्याएं हो रही हैं लेकिन पता नहीं क्यों मुख्यमंत्री सच को नकारने में लगे हैं।

अखिलेश ने कहा कि जालौन में परीक्षा देकर लौट रही एक छात्रा की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई। उन्नाव में जेल से छूटते ही बलात्कारियों ने पीड़िता के घर को तोड़ा और जला दिया। उन्होंने कहा कि सरकार कानून-व्यवस्था संभालने में पूरी तरह से विफल साबित हुई है। लोगों ने न्याय की उम्मीद छोड़ दी है। सत्ता संरक्षित गुंडों और अपराधियों के सामने पुलिस नतमस्तक है। अखिलेश ने कहा कि संविधान और लोकतंत्र को बचाने के लिए जनता को एकजुट होकर भाजपा को हराना होगा, तभी प्रदेश में दोबारा से लोकतंत्र, संविधान, न्याय और कानून व्यवस्था की पुर्नस्थापना हो सकती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने लोकतंत्र सेनानी और पूर्व मंत्री शारदा प्रताप शुक्ल (77 वर्ष) के निधन पर गहरा शोक जताया है। मुख्यमंत्री योगी ने शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। वहीं, सपा अध्यक्ष ने कहा कि सरोजनी नगर विधानसभा से तीन बार विधायक रहे शारदा प्रताप शुक्ल के निधन से पार्टी को अपूरणीय क्षति हुई है।

जयंत की नाराजगी के बाद पीछे हटे अखिलेश

बागपत व बड़ौत नपा अध्यक्ष पद पर नहीं लड़ेगी सपा

लखनऊ। नगर निकाय चुनाव में सीटों के बंटवारे को लेकर खतरे में पड़े सपा-रालोद गठबंधन को बचाने के लिए डैमेज कंट्रोल शुरू हो गया है। मान-मनौव्वल का दौर चल रहा है। इसी बीच सपा ने घोषणा की है कि वह बागपत और बड़ौत नगर पालिका अध्यक्ष पद का चुनाव नहीं लड़ेगी। इन सीटों पर रालोद को समर्थन किया जाएगा। विधानसभा चुनाव 2022 की तर्ज पर ही नगर निकाय चुनाव में भी सपा और रालोद का गठबंधन है। दोनों ने घोषणा की थी कि गठबंधन मजबूती से चलेगा। अब नगर निकाय चुनाव आया तो दोनों के बीच घमासान शुरू हो गया। कई सीटों पर सपा और रालोद दोनों ने ही अपने अपने उम्मीदवार घोषित कर दिए। ऐसे में गठबंधन में दरार आनी शुरू हो गई। खास तौर से रालोद इससे नाराज दिखने लगा और मेरठ सीट पर महापौर के लिए अपना प्रत्याशी उतारने का एलान कर दिया। जबकि इस सीट पर सपा पहले ही अपना उम्मीदवार घोषित कर चुकी है। ऐसे में अब दोनों दलों की ओर से डैमेज कंट्रोल शुरू हो गया है। इसके लिए लगातार एक-दूसरे के उम्मीदवारों को समझाया जा रहा है कि वह अपना नामांकन पत्र वापस ले लें। अभी नाम वापसी का समय है। उधर सपा ने भी अपने ऑफिशियल फेसबुक पेज पर लिखा कि बड़ौत और बागपत में सपा अपना प्रत्याशी नहीं उतारेगी, बल्कि रालोद को समर्थन देगी। बड़ौत रालोद का गढ़ माना जाता है। इस सीट पर रालोद अपने उम्मीदवार उतारने की तैयारी ही कर रहा था कि सपा ने दांव खेलते हुए अपना प्रत्याशी उतार दिया था। माना जा रहा है कि अब सपा अपने उम्मीदवार का पर्चा वापस कराएगी। हालांकि बागपत जिले की ही खेकड़ा सीट पर अभी दोनों दलों के ही उम्मीदवार आमने-सामने हैं।

नगर निकाय चुनाव की सिर्फ मॉनिटरिंग करेंगी मायावती

» प्रचार से दूर रहेंगी बसपा प्रमुख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निकाय चुनाव के प्रचार अभियान से बसपा सुप्रीमो मायावती दूर ही रहेंगी। माना जा रहा है कि वह किसी भी जिले में रैली नहीं करेंगी। इस बार पूरी जिम्मेदारी प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल और कोआर्डिनेटरों की रहेगी। वैसे भी बसपा प्रदेश अध्यक्ष के लिए यह चुनाव अग्नि परीक्षा है, क्योंकि वह पहला चुनाव करा रहे हैं। दूसरा, इसी से लोकसभा चुनाव में बसपा का भविष्य भी तय होगा।

पहले चरण के चुनाव के लिए नामांकन हो चुके हैं। वहीं, दूसरे चरण के नामांकन शुरू हो गए हैं। पहले चरण के लिए प्रत्याशियों की तस्वीर साफ हो गई है। बसपा ने महापौर पद पर 60 प्रतिशत मुस्लिम प्रत्याशी उतारकर अपनी मंशा स्पष्ट कर दी है। बसपा मुस्लिम-दलित समीकरण के सहारे ही इस मैदान में है। अब चुनाव के लिए प्रचारक भी तय होने शुरू हो गए हैं। बताया जा रहा है कि बसपा सुप्रीमो मायावती चुनाव में केवल मार्गदर्शन करेंगी और अपने यहां वार रूम बनाकर मॉनिटरिंग करेंगी।

ब्याज चुकाने के लिए शिवराज सरकार ले रही कर्ज : कमलनाथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देवास। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने आमसभा में आरोप लगाया कि मध्य प्रदेश सरकार पर सवा तीन लाख करोड़ रूपये का कर्ज है। कर्ज का ब्याज चुकाने के लिए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान कर्ज ले रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि है कार्य बड़ी-बड़ी योजनाओं के लिए कर्ज लिया गया है।

उन योजनाओं पर करोड़ों खर्च किया गया और ठेकेदारों को 25 प्रतिशत एडवांस राशि देकर उनका कमीशन भी ले लिया गया है। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ में मध्य प्रदेश की पहचान माफिया, मिलावट, भ्रष्टाचार वाले प्रदेश के रुप में बताई है। उन्होंने यह भी कहा कि कृषि को फायदे का व्यापार बनाने का दावा करने वाली बीजेपी सरकार किसानों के हित में निर्णय भी नहीं ले सकी है।

मुकुल रिजेक्टेड नेता, हमें कोई दिलचस्पी नहीं : सुवेंदु अधिकारी

» बीजेपी में मुकुल की वापसी पर दी प्रतिक्रिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस नेता मुकुल रॉय के फिर से बीजेपी में शामिल होने की चर्चा है। मुकुल रॉय ने खुद इसकी इच्छा जताई है। इधर मुकुल रॉय के बीजेपी में आने पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए पश्चिम बंगाल के दिग्गज नेता और विधानसभा में नेता विपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि बीजेपी को ऐसे रिजेक्टेड नेता की जरूरत नहीं है।

उन्होंने कहा कि हम बूथ पर पार्टी को मजबूत करने का काम कर रहे हैं। बूथ पर जिन लोगों ने कांग्रेस, लेफ्ट और टीएमसी को वोट किया है, हम लोग उन्हें पार्टी के साथ लाने पर काम कर रहे हैं, किसी नेता को लाने की जरूरत नहीं है। हमें ऊपर से किसी नेता को लाने की जरूरत नहीं है। हमें ऐसे रिजेक्टेड लोगों की जरूरत नहीं है। सुवेंदु अधिकारी ने मुकुल रॉय पर बड़ा आरोप लगाते हुए आगे कहा कि, मई 2021 के बाद पश्चिम बंगाल में जब भाजपा कार्यकर्ताओं पर अत्याचार हो रहा था उस समय जिन्होंने भाजपा का साथ छोड़ा। वह भाजपा का आदमी नहीं हो सकता।

मिशनरी से ज्यादा सेवा हिंदू संत करते हैं : भागवत

» संघ प्रमुख ने कहा-भारत भविष्य की महाशक्ति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जबलपुर। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि मिशनरी से ज्यादा सेवा हिंदू संत करते हैं। साथ ही, उन्होंने शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि भारतीय समाज में व्याप्त बुराइयों को दूर किया जाना चाहिए, भागवत ने कहा कि हमें समाज में व्याप्त बुराइयों को खत्म करना है और समृद्धि लानी है। भागवत, नरसिंह मंदिर में जगद्गुरु श्याम देवाचार्य महाराज की प्रतिमा के अनावरण सहित विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए जबलपुर में थे।

यहां उन्होंने कहा कि आजकल मिशनरी का वर्चस्व है, लेकिन हमारे संत उनसे ज्यादा सेवा करते हैं ,मैं यह नहीं कह रहा हूं कि यह हमारे लिए गर्व की बात है, बल्कि मैं सच कह रहा है। सर संघचालक ने कहा कि आज हम ही नहीं, पूरी दुनिया कह रही है कि भारत भविष्य की महाशक्ति है। भारत विश्वगुरु बनने जा रहा है और हमें वह लक्ष्य हासिल करना है। उन्होंने काह शक्ति तो जरुरी होती है। बिना शक्ति के कोई काम नहीं होताा। लेकिन हम न किसी पर जीतेंगे और न किसी का धर्मान्तरण करेंगे। हमारी ताकत दूसरों को परेशान करने में नहीं, बल्कि कमजोरों की रक्षा करने में होगी। भारत 'विश्व गुरु' बनने जा रहा है, लेकिन उसे सद्भाव के साथ वह मुकाम हासिल करना चाहिए. भागवत ने कहा कि हिंदू समाज को शिक्षित करने से पूरे विश्व का कल्याण होगा। सनातन धर्म ही हिंदू राष्ट्र है। भागवत ने आगे कहा धर्म कैसा होगा हम बताएंगे, भारत में उस धर्म का रूप कैसा होगा वो हम खड़ा करके दिखाएंगे। हम सब लोग धर्म का मार्ग पर चलेंगे। बता दें इससे पहले मुंबई के एक समारोह में मोहन भागवत ने कहा था कि भारत की विश्व गुरू की प्रगति की रफ्तार धामी करने के लिए हमारे देश के खिलाफ गलत जानकारियां फैलाई जा रही हैं।

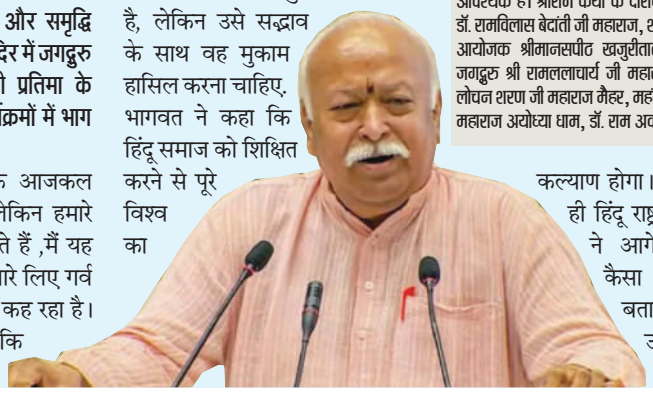

धर्म के अलग होते ही राजनीति विधवा हो जाएगी : श्रीरामभद्राचार्य महाराज

सतना। सतना जिले में कथावाचन करते हुए हिंदू धर्मगुरु श्रीरामभद्राचार्य महाराज ने कहा कि यदि धर्म से राजनीति अलग कर दोगे तो राजनीति विधवा हो जाएगी। रामचंद्र जी धर्म की नीति है, भारत होगा तब न भगवन होंगे, भारत भगवान का मंदिर है। वहीं, गुरुजी ने मजाकिया अंदाज में कहा कि भगवान की पूजा कमल से ही होती है। इसलिए कमल खिलना आवश्यक है। श्रीराम कथा के दौरान मंच पर ब्रह्मर्षि डॉ. रामविलास बेदांती जी महाराज, शताब्दी महोत्सव के आयोजक श्रीमानसपीठ खजुरीताल के पीठाधीश्वर जगद्गुरु श्री रामललाचार्य जी महाराज, महंत राजीव लोचन शरण जी महाराज मैहर, महंत अयोध्या दास जी महाराज अयोध्या धाम, डॉ. राम अवतार शर्मा राम पथ गमन के अध्यक्ष, जगद्गुरु बिंदु बाध्यचार्य जी महराज अयोध्या, पद्मविभूषण श्रीरामभद्राचार्य जी महराज के शिष्य आचार्य हिमांशु जी और पंडित शशिकांत त्रिपाठी प्रमुख रूप से विराजमान रहे।

फिर बाहर निकला जातिगत जनगणना का जिन्न

विपक्षी पार्टियों ने उठाई मांग,बीजेपी भी घबराई

» चुनाव व विकास के मामले में मिलेगी मदद

» बिहार से लेकर महाराष्ट्र तक मांग उठी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एकबार फिर जातिगत जनगणना का जिन्न बाहर आ गया है। उन जिन्न के बाहर आते ही राजनीति भी उफान मारने लगी है। कई विपक्ष दल इस मुद्दे पर एक साथ आ गए हैं। इन दलों ने आबादी के आधार पर ओबीसी एससी-एसटी को आरक्षण देने की मांग की है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इसी बाबत एक चिट्ठी पीएम मोदी को लिखी है। कांग्रेस, जदयू, राजद, एनसीपी, द्रमुक और आम आदमी पार्टी समेत कई विपक्षी दलों ने केंद्र सरकार से जाति आधारित जनगणना कराने की मांग की है। मोदी सरकार इसको खास तव्वजों नहीं दे रही है। वहीं राजनीतिक विश्लेषकों का मानना कि कांग्रेस भाजपा के ओबीसी वाले मुद्दे को लेकर उसे घेरने की जुगत में लगी हैं।

पहले उसने कोविड-19 महामारी की वजह से इसको टाल दिया जो अब तक टलता जा रहा है। उधर नियमित जनगणना में देरी होने के कारण जातिगत जनगणना की नए सिरे से मांग की जा रही है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपनी कर्नाटक रैलियों में दो दिनों में दूसरी बार जातिगत जनगणना की मांग की है। जातिगत जनगणना के समर्थक इसे समय की जरूरत बताते हैं, जबकि केंद्र की इस मामले पर अलग राय है। पिछले हफ्ते तमिलनाडु की एमके स्टालिन सरकार ने भी राज्य विधानसभा में केंद्र से दशकीय जनगणना के साथ-साथ एक व्यापक जातिगत जनगणना कराने का आग्रह किया था। महाराष्ट्र विधानसभा में विपक्ष के नेता अजित पवार ने फरवरी में मांग की थी कि भाजपा-शिवसेना सरकार को बिहार जैसा जाति आधारित सर्वे कराना चाहिए। पिछले साल एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार ने भी सामाजिक समानता सुनिश्चित करने के लिए इसे एक आवश्यकता बताते हुए जाति आधारित जनगणना की मांग की थी। वही यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव भी प्रदेश में इसकी मांग कर चुके हैं।

भाजपा के ओबीसी कार्ड का पलटवार

कांग्रेस के जातिगत जनगणना कराने की मांग भाजपा के ओबीसी कार्ड के दांव के पलटवार के तौर पर देखा जा रहा है। राहुल गांधी की मोदी सरनेम पर की गई टिप्पणी को लेकर भाजपा ने संसद के बजट सत्र में ओबीसी ट्रंप कार्ड खेला था। भाजपा ने इसे ओबीसी का अपमान बताया था और राहुल गांधी को घेरने की कोशिश की थी। राहुल पर ओबीसी और दलितों का अपमान करने का भी आरोप लगाया गया था। अब कांग्रेस के इस दांव से यह साफ है कि भाजपा के लिए ओबीसी अपमान का ट्रंप कार्ड चलना बिल्कुल आसान नहीं रहेगा।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने पीएम मोदी को लिखा पत्र

राहुल गांधी ने आरक्षण पर 50 प्रतिशत की सीमा को हटाने की मांग करते हुए पीएम मोदी को 2011 की जाति आधारित जनगणना के आंकड़ों को सार्वजनिक डोमेन में जारी करने की चुनौती दी है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पीएम मोदी को पत्र लिखकर तुरंत जनगणना कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि इससे सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण को मजबूती मिलेगी।

जातिगत जनगणना क्या है?

जातिगत जनगणना का अर्थ है जनगणना की कवायद में भारत की जनसंख्या का जातिवार सारणीकरण शामिल करना। भारत ने केवल अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के - 1951 से 2011 तक - जातिगत आंकड़ों को गिना और प्रकाशित किया है। यह धर्मों, भाषाओं और सामाजिक-आर्थिक स्थिति से संबंधित डेटा भी प्रकाशित करता है। आखिरी बार जातिगत जनगणना 1931 में की गई थी। सभी जातिगत आंकड़ों को इसके आधार पर पेश किया जाता है। यह मंडल फार्मूले के तहत कोटा कैप का आधार बन गया। 2011 की जनगणना के लिए जाति के आंकड़े एकत्र किए गए थे, लेकिन डेटा को कभी सार्वजनिक नहीं किया गया। यह वास्तव में एक पुरानी मांग है, जो इस तथ्य से उत्पन्न होती है कि उपलब्ध डेटा-सेट 90 वर्ष पुराना है, जबकि जातियों को अक्सर कई कल्याणकारी कार्यक्रमों के आधार के रूप में लिया जाता है। राजनीतिक रूप से, भाजपा कथित तौर पर 2024 के चुनाव से पहले अपने हिंदुत्व अभियान के लिए एक संभावित चुनौती के डर से जातिगत जनगणना का विरोध करती रही है। जाति आधारित पार्टियां जाति आधारित जनगणना की प्रबल हिमायती रही हैं।

बिहार में हो रही है जातिगत गणना

बिहार में दो चरणों मं हो रही जातिगत गणना। जाति आधारित सर्वेक्षण का पहला चरण 7 जनवरी, 2023 से शुरू हुआ जो 21 जनवरी को समाप्त हुआ। पहले चरण में राज्य के सभी घरों की संख्या गिनी और दर्ज की गई।पहले चरण के आकड़ों के आधार पर दूसरे चरण की गणना होगी। प्रथम चरण में एकत्रित किए गए सभी आंकड़ों को अब इस पोर्टल पर अपलोड किया जायेगा और ये आंकड़े मोबाइल एप पर द्वितीय गणना के समय प्रगणक और पर्यवेक्षकों को उपलब्ध होंगे। पहले चरण में ढाई करोड़ से अधिक परिवारों की हुई गिनती जाति गणना के पहले चरण में 38 जिलों में बिहार भर (जिनमें 534 ब्लॉक और 261 शहरी स्थानीय निकाय हैं), के करीब दो करोड़ 58 लाख 90 हजार 497 परिवारों तक गणना कर्मियों ने पहुंच कर मकानों की नंबरिंग की। पहले चरण में परिवार के मुखिया का नाम और वहां रहने वाले सदस्यों की संख्या को अंकित किया गया था। सात जनवरी से शुरू हुए पहले चरण की जाति गणना में पांच लाख 18 हजार से अधिक कर्मी लगाये गये थे। पटना जिले में 14.35 लाख परिवारों का हुआ सर्वेक्षण,छुटे हुए परिवार जिला जाति गणना कोषांग को दे सकते जानकारी। सर्वेक्षण के दूसरे चरण में जो 15 अप्रैल से 15 मई होना है, घरों में रहने वाले लोगों, उनकी जाति,, उपजातियों, सामाजिक-आर्थिक स्थिति आदि को एकत्र किया जाएगा। सर्वेक्षण 31 मई, 2023 को समाप्त होगा। इस चरण में, 3.04 लाख से अधिक प्रगणक उत्तरदाताओं से जाति सहित 17 प्रश्न पूछेंगे। जबकि सभी 17 प्रश्न अनिवार्य हैं,प्रत्येक प्रगणक को 150 घरों तक पहुंचने का लक्ष्य दिया गया है। जबकि सभी 17 प्रश्न अनिवार्य हैं, आधार संख्या, जाति प्रमाण पत्र संख्या और परिवार के मुखिया का राशन कार्ड नंबर भरना वैकल्पिक है। बिहार सरकार ने सूबे की 215 अलग-अलग जातियों के लिए अलग-अलग कोड निर्धारित किए हैं।कसी विशेष जाति की संबंधित उप-श्रेणियों को एक एकल सामाजिक इकाई में मिला दिया गया है, और उनके पास जाति-आधारित हेडकाउंट के महीने भर के दूसरे चरण के दौरान उपयोग के लिए एक संख्यात्मक जाति कोड है।वहीं इस चरण में नाम दर्ज कराने को लेकर विशेष सख्ती रहेगी। अगर कोई दो बार नाम लिखाने का प्रयास करेगा तो अब एप ऐसे लोगों को चिन्हित कर लेगा। राज्य के बाहर रहने वाले लोगों के नाम भी दर्ज किये जायेंगे। पटना जिले में 12 हजार 831 गणना कर्मियों को 15 अप्रैल से 15 मई तक 73 लाख 52 हजार 729 लोगों की गणना करनी है।15 अप्रैल 2023 को, नीतीश कुमार ने बख्तियारपुर स्थित अपने पैतृक घर से जाति आधारित सर्वेक्षण के दूसरे चरण का शुभारंभ किया। नीतीश कुमार ने बताया कि डाटा का काम पूरा होने के बाद जाति आधारित सर्वे की रिपोर्ट बिहार विधानसभा और बिहार विधान परिषद के पटल पर रखी जाएगी। उसके बाद रिपोर्ट सार्वजनिक की जाएगी। गणना के दूसरे चरण का कार्य 15 अप्रैल से 15 मई, 2023 तक सभी 261 निकायों व 534 प्रखंडों में चलेगा। वर्ष 2011 की जनगणना के आधार पर बिहार में परिवार की संख्या एक करोड़ 89 लाख थी। 12 वर्षों में इसमें एक करोड़ 61 लाख वृद्धि होने की संभावना जताई जा रही है। इसी तरह राज्य में एक से सवा करोड़ घर या बसावट होने का भी आंकलन किया जा रहा है। 2011 की जनगणना के अनुसार पटना में प्रति परिवार में सदस्यों की संख्या औसतन 4.1 थी जो 2022 में बढ़ाकर 5.3 हो गई है यानी प्रति परिवार सदस्यों की संख्या में 1.2 की बढ़ोतरी हुई है। पटना जिले की जनसंख्या 58 लाख से बढ़कर 73 लाख हो गई है।[45] पिछले 11 वर्षों में पटना की जनसंख्या में 15 लाख से अधिक की बढ़ोतरी हुई है। पटना जिले की जनसंख्या वृद्धि दर 2011 की तुलना में 2 अधिक बढ़ी है। परिवारों की संख्या भी चार लाख से अधिक बढ़ी है। यह 21 जनवरी तक कराई गई जाति आधारित गणना के पहले चरण की रिपोर्ट में सामने आया है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

सुप्रीम कोर्ट की तल्ख टिप्पणी

गुजरात दंगों से जुड़े बिलकिस बानो मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने नाराज होकर तल्ख टिप्पणी की है। शीर्ष अदालत ने कहा दुष्कर्म और हत्या के 11 दोषियों को जल्दी रिहा किए जाने पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने कहा कि हर बार सुनवाई होने पर एक आरोपी इस अदालत में आएगा और सुनवाई स्थगित करने की मांग करेगा। चार हफ्ते बाद दूसरा आरोपी भी ऐसा ही करेगा। ऐसे में यह सिलसिला दिसंबर तक चलेगा। हमें इसका बखूबी अंदाजा है। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस बीवी नागरत्ना ने टिप्पणियां तक दोषी की तरफ पेश हुए वकील की तरफ से और अधिक समय जाने पर की। तो वहीं बिलकिस बानो की तरफ से पेश हुए अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि दोषियों के वकील 30 दिन का समय मांग रहे हैं 1100 पेज पढ़ने का हवाला दे रहे हैं लेकिन ये सभी दस्तावेज आज के नहीं है। कोर्ट ने गुजरात सरकार की तरफ फाइलें नहीं दिखाने पर नाराजगी व्यक्त की। सुप्रीम कोर्ट में पिछले महीने की 28 मार्च को जस्टिस केएम जोसेफ और जस्टिस बीवी नागरत्ना की बेंच ने गुजरात सरकार को निर्देशित किया था। बिलकिस बानो केस में सरकार अगली सुनवाई में तमाम दोषियों को छूट देने वाली रिलेवेंट फाइलों को पेश करे।

सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि जिस तरह यह घटना हुई। वह जघन्य था। इस मामले के दोषियों को बड़ी संख्या में पेरोल दिए गए। एक दोषीको 1500 दिन की पेरोल मिली। तो इस बार कोर्ट में बिलकिस की तरफ से पक्ष रख रहे कपिल सिब्बल ने कहा वे धमकियां भी दे रहे थे। जिस तरह से अपराध किया गया वह भयानक है। देखिए उनमें से प्रत्येक को 1000 दिन से अधिक का पैरोल मिला है। एक को 1500 दिन पैरोल मिली। आज हमें फाइलें दिखाने में क्या दिक्कत है? आप इसे प्रोड्यूस नहीं करने के लिए अवमानना कर रहे हैं। आप क्यों शर्मा रहे हैं? 2002 में हुए गोधरा कांड के दौरान बिलकिस बानो से रेप किया गया था और उसके परिवार के लोगों की हत्या कर दी गई थी। इस मामले में 11 लोगों को दोषी ठहराया गया था, पिछले साल 15 अगस्त पर 2022 गुजरात सरकार ने एक कमेटी की रिपोर्ट के समय से पहले रिहा कर दिया था। इसके बाद बिलकिस बानो ने 30 नवंबर 2022 को इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाते हुए याचिका दायर की थी। 13 मई 2022 करे दिए गए फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को दोषियों की समय पूर्व रिहाई पर विचार करने को एक निर्देश दिया था। बता दें कि 2002 के दंगों के दौरान बिल्किस बानो के परिवार के सात लोगों की हत्या भी कर दी गई थी।

“ सुप्रीम कोर्ट में पिछले महीने की 28 मार्च को जस्टिस केएम जोसेफ और जस्टिस बीवी नागरत्ना की बेंच ने गुजरात सरकार को निर्देशित किया था। बिलकिस बानो केस में सरकार अगली सुनवाई में तमाम दोषियों को छूट देने वाली रिलेवेंट फाइलों को पेश करे। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि जिस तरह यह घटना हुई। वह जघन्य था। इस मामले के दोषियों को बड़ी संख्या में पेरोल दिए गए। एक दोषीको 1500 दिन की पेरोल मिली।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

अमेरिका बना सबसे बड़ा कारोबारी साझेदार

योगेश कुमार सोनी

बीते रविवार को एक रिपोर्ट के मुताबिक आर्थिक समझौतों में वृद्धि की बदौलत वित्त वर्ष 2022-23 में अमेरिका भारत का सबसे बड़ा कारोबारी भागीदार बन गया। वाणिज्य मंत्रालय के पिछले वित्त वर्ष में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय कारोबार 7.65 प्रतिशत बढ़कर 128.55 अरब डॉलर रहा है। दोनों देशों के बीच 2021-22 में 119.5 अरब डॉलर और 2020-21 में 80.51 अरब डॉलर का दोनों ओर से व्यापार हुआ था। डाटा के अनुसार 2022-23 में अमेरिका को कुल निर्यात 2.81 प्रतिशत बढ़कर 78.31 अरब डॉलर रहा है। 2021-22 में अमेरिका को 76.18 अरब डॉलर का निर्यात किया गया था। पिछले वित्त वर्ष में आयात 16 प्रतिशत बढ़कर 50.24 अरब डॉलर रहा है। वहीं दूसरी ओर 2022-23 में चीन के साथ द्विपक्षीय कारोबार 1.5 प्रतिशत घटकर 113.83 अरब डॉलर रहा है। 2021-22 में भारत और चीन के बीच 115.42 अरब डॉलर का कारोबार हुआ था। इस कालखंड में चीन को निर्यात 28 प्रतिशत बढ़कर 15.32 अरब डॉलर रहा है जबकि आयात 4.16 प्रतिशत बढ़कर 98.51 अरब डॉलर रहा है। चीन के साथ व्यापार घाटा बढ़कर 83.12 अरब डॉलर रहा है जो 2021-22 में 72.91 अरब डॉलर था।

विशेषज्ञों ने भरोसा जताया है कि भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय कारोबार में आने वाले वर्षों में और भी बढ़ोतरी होगी होगी। इसका कारण यह है कि दोनों देश आर्थिक समझौतों को मजबूत करने में जुटे हैं। भारतीय निर्यात संघ का कहना है कि अमेरिका को फार्मास्यूटिकल्स, इंजीनियरिंग और जेम्स एंड ज्वेलरी जैसे उत्पादों का निर्यात बढ़ा है। इससे कुल निर्यात में वृद्धि रही है। अमेरिका को भारत से मुख्यत: पेट्रोलियम उत्पादों, आभूषण, फार्मा उत्पाद, पॉलिश हीरे, हल्के तेल वगैरह का निर्यात किया जाता है। वहीं अमेरिका से भारत पेट्रोलियम पदार्थ, तरल प्राकृतिक गैस, सोने, कोयले और बादाम का आयात करता है लेकिन बीते वर्ष फार्मास्यूटिकल्स, इंजीनियरिंग और जेम्स एंड ज्वेलरी जैसे उत्पादों का निर्यात बढ़ा है जिससे दोनों देशों के बीच कारोबार भागीदारी बढ़ी है।

वैसे तो अमेरिका चीन से कई चीजों का आयात करता है लेकिन बीते लगभग पांच वर्षों में खिलौने और मोबाइल फोन काफी बड़ी संख्या में ख़रीदे गए हैं। यदि अमेरिका इन चीजों का चीन से आयात कम कर दे या छोड़ दे तो 70 अरब डॉलर ही रह जाएगा। आर्थिक मोर्चे पर हम चीन को भी हल्के में नहीं ले सकते।

दरअसल, मामला यह है कि इस समय चीन पाकिस्तान और श्रीलंका को बीते कुछ समय से लगातार कर्ज दे रहा है चूंकि वह हमेशा भारत को चारों ओर से घेरना चाहता है। दोनों देश भारत की सीमा से सटे हैं, वे छोटे भी हैं। यदि पाकिस्तान की बात करें तो पाकिस्तान पर चीन का 30 अरब डॉलर का कर्ज बकाया है। इस ही वर्ष फरवरी में एक रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान पर इस समय जीडीपी का 70 प्रतिशत कर्ज है। बीते वर्ष आर्थिक संकट से जूझ रहे श्रीलंका के ऊपर 2021 में विदेशों का कुल कर्ज 3500 करोड़ डॉलर का था जो साल 2022 में बढ़कर 5100 करोड़ डॉलर पर पहुंच गया और यह और भी बढ़ गया है, जिसमें से लगभग आधा कर्जा चीन का है। आंकड़ों के मुताबिक इस समय श्रीलंका के ऊपर कुल 28 अरब डॉलर का चीन का कर्ज है। इस बात से हम यह समझ सकते हैं कि चीन ने जरूर व्यापार कम किया हो लेकिन वो गिद्ध की निगाह बनाए हुए अपने से सटे देशों को जल्द ही अपने कब्जे में करने में लगा हुआ है। भारत व्यापार में अपने बढ़ते कदमों को बेहद सुरक्षित स्थिति में रख रहा है। बीते वर्ष संकट के समय में पड़ोसी देश श्रीलंका को कर्ज देकर उसकी बेहद कठिन समय में मदद की थी। मदद चीन ने भी की थी लेकिन उसने श्रीलंका में कई बड़ी इमारतें बना ली अर्थात? तुरंत कब्जा ले लिया। आज भारत एक उभरती अर्थव्यवस्था में गिना जाता है और अमेरिका जैसे विश्व शक्तिशाली देशों से व्यापार में भागीदारी हमारे लिए गर्व की बात है। दरअसल, नए तरीके संबंधों को स्थापित करते हुए आर्थिक क्षेत्र में हम मात्र तेरह वर्षों में ही आगे बढ़े हैं। वर्ष 2010 में अमेरिकी ट्रेजरी सचिव टिमोथी गेथनर ने अपनी भारत यात्रा के दौरान तत्कालीन भारतीय वित्त मंत्री प्रणब मुखर्जी के साथ अमेरिका-भारत आर्थिक तथा वित्तीय भागीदारी शुरू की थी।

मंत्री स्तरीय बैठकों में दोनों देशों के बीच मजबूत द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों की नींव रखी गई थी। इससे पूर्व अमेरिका हमें उस स्तर का सम्मान नहीं देता था कि वह हमें किसी व्यापार के लायक समझे। एक जानकारी दे दी जाए 2010 से पूर्व यदि अमेरिका को भारत की कोई खाद्य या वस्तु चाहिए भी होती थी तो वह चीन द्वारा मंगवाता था। समय बदला, हालात बदले और आज परिस्थितियां सम्मान के साथ पक्ष में हैं। गुणवत्ता व ईमानदारी के बल पर हम अपना उज्ज्वल भविष्य तय कर सकते हैं।

हाइड्रोजन मिशन से पर्यावरण लक्ष्य पाने की व्यवहार्यता

प्रीतम सिंह, साइमन पिरानी

केंद्रीय सरकार द्वारा गत जनवरी में अपनाया गया नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन एक प्रमुख नीतिगत पहल है, और इसे भारतीय राजनीति की कमी ही कहेंगे कि इस नीति पर जितनी सार्वजनिक बहस की जानी बनती थी, वह नहीं हो पायी। इस पहल पर, भारत की विपक्षी पार्टियों के आलोचनात्मक मूल्यांकन की अनुपस्थिति, जिसका भारत के प्रगति पथ पर काफी असर हो सकता है, हैरानीजनक। सरकार उन कंपनियों को सब्सिडी देने की पेशकश कर रही है जो हाइड्रोजन हब स्थापित करेंगी, लेकिन यह काम किस तरह से पर्यावरण नीति और सामाजिक न्याय ध्येय के अनुरूप है, इसकी व्याख्या होना बाकी है। हाइड्रोजन मिशन के मुताबिक, बड़ी कंपनियां जैसे कि रिलायंस और इंडियन ऑयल को इस मद में रखे गए 20000 करोड़ का फंड पाने के लिए आमंत्रित किया जाएगा। इलेक्ट्रॉलाइज़र बनाने के लिए पैसा अलग से रखा गया है, जो कि ग्रीन हाइड्रोजन बनाने के लिए जरूरी है, फिर खाद एवं स्टील उत्पादकों को इन्हें खरीदने के लिए सब्सिडी का प्रावधान है।

लेकिन जिस अति उत्साह और जोर-शोर से हाइड्रोजन मिशन का ऐलान किया गया है, वह गैर-वाजिब उम्मीदें बढ़ाता है। दरअसल, विदेश मंत्रालय का हालिया दावा कि भविष्य में ग्रीन हाइड्रोजन हमारी ऊर्जा जरूरतों का मुख्य स्रोत रहेगी, शायद ही कभी फलीभूत हो पाए। यदि सरकार 10 मिलियन टन ग्रीन हाइड्रोजन प्रति वर्ष बनाने का ध्येय पूरा कर भी ले, तो भी यह कोयले से प्राप्त ऊर्जा का 15वां हिस्सा भर होगा। सरकारी फाइलों में सरपट दौड़ रहे इस विचार कि भारत हाइड्रोजन का मुख्य निर्यातक भी बन जाएगा, पर भी संशय है। यदि खाद निर्माण और तेल रिफाइनरी में प्रयुक्त मौजूदा ग्रे हाइड्रोजन को हरित हाइड्रोजन से बदलना है तो भारत को हर साल 60 लाख टन ग्रीन हाइड्रोजन की जरूरत पड़ेगी। ग्रे-हाइड्रोज का उपयोग बंद करना एक प्राथमिकता है, यह वैश्विक तापमान बढ़ोतरी में दु:स्वप्न की तरह है क्योंकि प्रत्येक उत्पादित ग्रे-हाइड्रोजन के पीछे 10-18 टन कार्बन डाइऑक्साइड वातावरण में घुलती है।

हाइड्रोजन निर्यातक बनने का सपना पालने से पहले, भारत को यह भी आकलन करना होगा कि क्या प्रतिवर्ष 16 करोड़ टन कोयले के उपयोग और 30 बिलियन क्यूबिक मीटर आयातित गैस के विकल्प लायक मात्रा बनाना संभव भी है। ग्रीन हाइड्रोजन इलेक्ट्रोलिसिज़ नामक प्रक्रिया से बनती है। इसमें पानी में करंट छोड़ा जाता है। इसके लिए बिजली अक्षय ऊर्जा स्रोतों, जैसे कि पवन या सौर अथवा जल ऊर्जा से पाने की योजना है। तभी तो इस प्रक्रिया में ग्रीन हाउस गैस का सीधा उत्सर्जन नहीं होगा, हालांकि मूल अवयव के तौर पर बिजली और पानी बहुत प्रचुर मात्रा में लगता है। हाइड्रोजन बनाने की तुलनात्मक लागत और स्रोतों पर पड़ने वाले असर को लेकर एक सार्वजनिक बहस फौरी तौर पर की जाने की जरूरत है, यह इस पर भी होनी चाहिए कि क्या हाइड्रोजन पर निवेश करने से हमें मौसम में हो रहे बदलावों और सामाजिक असमानता को थामने में मदद मिलेगी।

लागत की बात करें तो केंद्रीय अक्षय ऊर्जा मंत्रालय का दावा है कि वर्ष 2026 से पहले ही ग्रीन हाइड्रोजन की कीमतें ग्रे हाइड्रोजन से मुकाबला करने लायक हो जाएंगी। यह एक जोखिमभरा दावा है क्योंकि फिलहाल ग्रीन हाइड्रोजन की कीमत 3-8 डॉलर प्रति किग्रा. के बीच है, जबकि ग्रे हाइड्रोजन 0.8-1.7 डॉलर प्रति किग्रा. तैयार होती है। बेशक अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी का अनुमान है कि ग्रीन हाइड्रोजन का मूल्य 1.4-3.2 डॉलर प्रति किलो तक गिर सकता है लेकिन यह वर्ष 2050 तक ही संभव हो पाएगा। हालांकि अंतर्राष्ट्रीय अक्षय ऊर्जा एजेंसी का रुख कहीं ज्यादा आशावादी है और इसका मानना है कि शायद वर्ष 2030 तक ग्रीन हाइड्रोजन की कीमत 2 डॉलर प्रति किलोग्राम तक गिर सकती हैं बता दें कि यहां शब्द 'शायद' है न कि 'पक्का। दूसरी ओर बाजार वस्तु एवं विश्लेषक एजेंसी सीआरयू का कहना है कि उन्हें नहीं लगता कि ग्रीन हाइड्रोजन की कीमतें 2050 तक भी 3 डॉलर प्रति किग्रा. से नीचे आ पाएं। विगत में भी बाजार के कयास कई बार मौसम में बदलावों से निपटने में विफल रह चुके हैं, और पूरा खतरा है कि एक बार पुन: असफल हो सकते हैं। भारत अक्षय ऊर्जा से प्रचुर मात्रा में बिजली निर्यात कर पाएगा लेकिन ऊर्जा क्षेत्र में अनुसंधान करने वाले ऐसे दावों के प्रति सावधानी बरतने को कहते हैं। फ्लोरेंस स्कूल ऑफ रेग्यूलेशन के अनुसंधानकर्ताओं का अनुमान है कि नेशनल ग्रीन ग्रिड मिशन को चालू रखने में भारत को हर साल 50 बिलियन लीटर लवणमुक्त पानी की जरूरत पड़ेगी और भारत के अनेक भाग पहले ही जल-संकटमय हैं। टेरी के विश्लेषक चेताते हैं कि बेकार पड़ी भूमि की कमी भी सौर एवं पवन ऊर्जा क्षमता बनाने में रोड़ा बनेगी। इलेक्ट्रॉलाइज़र का सीमित उत्पादन, किल्लत की एक अन्य वजह रहेगा। फिलहाल, विश्व के इलेक्ट्रॉलाइजर उत्पादक हर साल 8 गीगावॉट ऊर्जा बनाने जितनी क्षमता के मॉडल ही बना पा रहे हैं। इस हिसाब से 12 साल तो केवल इन्हें पाने में लगेंगे, जबकि स्वदेशी इलेक्ट्रॉलिसिस क्षमता का उत्पादन नगण्य है। सवाल यह भी कि खतरनाक मौसम बदलावों को टालने में योगदान के लिए क्या भारत हाइड्रोजन को तरजीह दे या कोयले के विकल्प के रूप में अक्षय ऊर्जा का इस्तेमाल करना चाहिए? हाइड्रोजन मिशन का ध्येय है 2030 तक ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन प्रति वर्ष 5 लाख टन ले जाना, जिसको बनाने के लिए लगभग 120-125 गीगावॉट अक्षय ऊर्जा उत्पादन क्षमता की जरूरत पड़ेगी।

कैंसर के खतरे से बचाता है प्याज

प्राकृतिक औषधियों से युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन सेहत के लिए बहुत लाभकारी होता है। इन्हीं अतुल्य प्राकृतिक भोज्य पदार्थों में प्यार शामिल है, जिसका स्वास्थ्य पर असर डालता है। शरीर की कई समस्याओं को दूर करने के लिए प्याज का सेवन फायदेमंद होता है। विशेषज्ञ गर्मियों में कच्चा प्याज खाने की सलाह देते हैं। कच्चा प्याज लू और शरीर की गर्मी से बचाव करता है। इसके अलावा कई तरह के रोगों के उपचार में भी कच्चा प्याज का सेवन कर सकते हैं। अक्सर महिलाएं बाल झड़ने की समस्या से छुटकारा पाने के लिए भी कच्चे प्याज के रस का इस्तेमाल करती हैं। लेकिन ऐसा नहीं कि कच्चा प्याज हमेशा ही फायदेमंद ही होता है। कई बार अधिक मात्रा में प्याज का सेवन नुकसानदायक हो सकता है। प्याज का अधिक सेवन आंत को प्रभावित करता है और पेट की समस्या कर सकता है। कच्चा प्याज कैंसर से लड़ने में असरदार है। प्याज में सल्फर की मात्रा बहुत अधिक होती है, जो कैंसर सेल्स नहीं बढ़ने देता है। साथ ही कैंसर से लड़ने की क्षमता बढ़ाता है।

प्याज में पाए जाने वाले पोषक तत्व

प्याज में पर्याप्त मात्रा में सोडियम, पोटेशियम, फोलेट्स, विटामिन ए, सी, और ई, कैल्शियम, मैग्नीशियम, आयरन और फास्फोरस पाया जाता है। इसके अलावा प्याज में एंटी-इंफ्लेमेटरी के गुण पाए जाते हैं। एंटी-एलर्जिक, एंटी-ऑक्सीडेंट और एंटी-कार्सिनोजेनिक गुण भी प्याज में मिलते हैं। प्याज एक तरह का सुपरफूड है।

हृदय के लिए फायदेमंद

एक रिपोर्ट के मुताबिक, प्याज में फ्लेवोनोइड्स के गुण होते हैं, जो शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करता हैं। इसके अलावा प्याज का सेवन थियो सल्फाइट्स रक्त की स्थिरता को सही बनाए रखता है। जिससे हृदय घात और स्ट्रोक का खतरा कम हो सकता है। प्याज कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करता है।

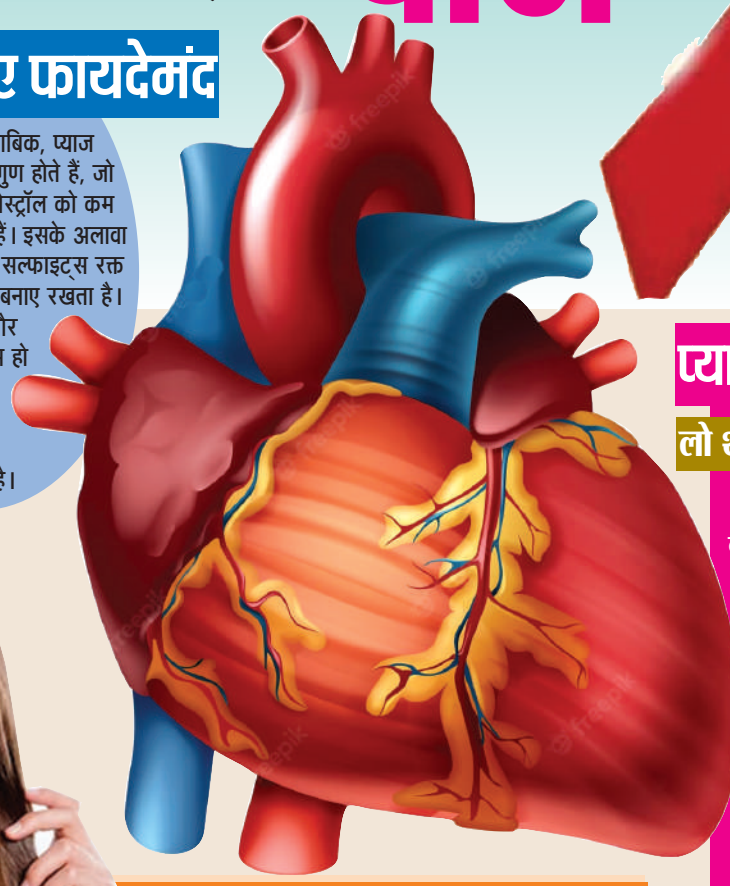

प्याज से नुकसान

लो शुगर में जिन लोगों को लो शुगर की शिकायत होती है, उन्हें प्याज का सेवन कम करना चाहिए। क्योंकि प्याज शुगर के स्तर को बहुत कम कर सकता है।

आंत पर प्रभाव कच्चा प्याज अधिक मात्रा में खाने से साल्मोनेला नाम की बैक्टीरियल समस्याएं हो सकती हैं। इस समस्या में आंत पर असर पड़ता है, जिससे धीरे धीरे पेट को नुकसान होने लगता है।

कब्ज और पेट दर्द प्याज में फाइबर अधिक मात्रा में होता है, जो पेट की परेशानी का कारण बन सकता है। अधिक मात्रा में कच्चा प्याज खाने से पेट में दर्द और कब्ज की समस्या हो सकती है।

बालों के लिए फायदेमंद

प्याज में एंटीबैक्टीरियल, एंटीफंगल और एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं, जो बालों की मजबूत, ग्रोथ में लाभकारी हैं। बाल को घने, चमकदार और तेजी से लंबाई बढ़ाने के लिए प्याज का रस सिर पर लगाया जाता है, इससे ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है और स्कैल्प मजबूत होता है। बालों का सफेद होना या रूसी एक आम समस्या है लेकिन प्याज का सेवन बालों को काला और डैंड्रफ मुक्त करता है।

हंसना मना है

टीचर-घर की परिभाषा बताओ। टीटू-जो घर हौसले से बनाये जाते हैं उसे हाऊस कहते हैं, जिन घरों में होम-हवन होते हैं उन्हें होम कहते हैं, जिन घरों में हवा ज्यादा चलती है उन्हें हवेली कहते हैं, जिन घरों में दीवारों के भी कान होते हैं उन्हें मकान कहते हैं, जिन घरों के लोन के इंस्टॉलमेंट भरते-भरते आदमी लेट जाता है उन्हें फ्लैट कहते हैं, और जिन घरों में यह भी न पता हो कि बगल के घर में कौन रहता है उन्हें बंगला कहते हैं, टीटू को स्टूडेंट ऑफ इयर चुना गया।

टीचर-जो बेवकूफ है वो खड़ा हो जाये? पप्पू खड़ा हो गया, टीचर-तुम बेवकूफ हो? पप्पू-नहीं सर, आप अकेले खड़े थे ना तो मुझे अच्छा नहीं लगा।

एक क्लास में एक लड़की को सब बुआ-बुआ कहते थे.. एक दिन इस की शिकायत उसने अपने टीचर से कर दी, टीचर ने सब लड़को से पूछा...जो लड़के इस को बुआ कहते है वो सभी खड़े हो जाए...एक लड़के को छोड के सभी खड़े हो गये..टीचर ने पुछा-क्या तुम इस को बुआ नहीं कहते हो, लड़का बोला-सर मैं तो फूफाजी हूं..

अध्यापक- तुम कैसे सिद्ध करोगे कि साग-पात खाने वाले की निगाहें तेज होती है। छात्र -सर ,आज तक किसी ने बकरे या घोड़े को चश्मा लगाते देखा है क्या?

कहानी | रामसेतु में गिलहरी का योगदान

माता सीता का हरण होने के बाद, भगवान राम को लंका तक पहुंचने के लिए उनकी वानर सेना जंगल को लंका से जोड़ने के लिए समुद्र के ऊपर पुल बनाने के काम में लग जाती है। पुल बनाने के लिए पत्थर पर भगवान श्रीराम का नाम लिखकर पूरी सेना समुद्र में पत्थर डालती है। भगवान राम का नाम लिखे जाने की वजह से पत्थर समुद्र में डूबने के बजाय तैरने लगते हैं। यह सब देखकर सभी वानर काफी खुश होते हैं और तेजी से पुल बनाने के लिए पत्थर समुद्र में डालने लगते हैं। भगवान राम पुल बनाने के लिए अपनी सेना के उत्साह, समर्पण और जुनून को देखकर काफी खुश होते हैं। उस वक्त वहां एक गिलहरी भी थी, जो मुंह से कंकड़ उठाकर नदी में डाल रही थी। उसे ऐसा बार-बार करते हुए एक वानर देख रहा था। कुछ देर बाद वानर गिलहरी को देखकर मजाक बनाता है। वानर कहता है, हे! गिलहरी तुम इतनी छोटी-सी हो, समुद्र से दूर रहो। कहीं ऐसा न हो कि तुम इन्हीं पत्थरों के नीचे दब जाओ। यह सुनकर दूसरे वानर भी गिलहरी का मजाक बनाने लगते हैं। गिलहरी यह सब सुनकर बहुत दुखी हो जाती है। भगवान राम भी दूर से यह सब होता देखते हैं। गिलहरी की नजर जैसे ही भगवान राम पर पड़ती है, वो रोते- रोते भगवान राम के समीप पहुंच जाती है। परेशान गिलहरी श्री राम से सभी वानरों की शिकायत करती है। तब भगवान राम खड़े होते हैं और वानर सेना को दिखाते हैं कि गिलहरी ने जिन कंकड़ों व छोटे पत्थरों को फेंका था, वो कैसे बड़े पत्थरों को एक दूसरे से जोड़ने का काम कर रहे हैं। भगवान राम कहते हैं, अगर गिलहरी इन कंकड़ों को नहीं डालती, तो तुम्हारे द्वारा फेंके गए सारे पत्थर इधर-उधर बिखरे रहते। ये गिलहरी के द्वारा फेंके गए पत्थर ही हैं, जो इन्हें आपस में जोड़े हुए हैं। पुल बनाने के लिए गिलहरी का योगदान भी वानर सेना के सदस्यों जैसा ही अमूल्य है। इतना सब कहकर भगवान राम बड़े ही प्यार से गिलहरी को अपने हाथों से उठाते हैं। फिर, गिलहरी के कार्य की सराहना करते हुए श्री राम उसकी पीठ पर बड़े ही प्यार से हाथ फेरने लगते हैं। भगवान के हाथ फेरते ही गिलहरी के छोटे-से शरीर पर उनकी उंगलियों के निशान बन जाते हैं। तब से ही माना जाता है कि गिलहरियों के शरीर पर मौजूद सफेद धारियां कुछ और नहीं, बल्कि भगवान राम की उंगलियों के निशान के रूप में मौजूद उनका आशीर्वाद है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष आज डर आपकी खुशी को बर्बाद कर सकता है। आप अपना काम समय से पूरा करने में सफल होंगे। कामकाज का तनाव आज कुछ कम हो सकता है।

वृषभ आपके लिए आज का दिन सामान्य रहेगा। इनकम में बढ़ोतरी तो होगी लेकिन वह आपकी शांति को भंग कर देगी। व्यवहार में बदलाव से आप परेशान रहेंगे।

मिथुन आज आप परिवार के साथ किसी काम में व्यस्त रहेंगे। वर्क फ्रॉम होम कर रहे लोगों को आज कोई नया प्रोजेक्ट मिलेगा। आपको अपने गुस्से पर संयम रखने की जरुरत है।

कर्क आपका झगड़ालू स्वभाव शत्रुओं की लिस्ट लंबी कर सकता है। रोजमर्रा के कामों से परे कुछ नए कामों में हाथ आजमाएं। शिक्षा के क्षेत्र मे आधुनिक तरीके सफलता देंगे।

सिंह आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा रहेगा। आपके कई काम बनेंगे और व्यापार के सिलसिले में बेहद अच्छे नतीजे मिलेंगे। विदेशी संपर्कों का भी आपको लाभ होगा।

कन्या आज आपका दिन शानदार रहेगा। आपकी कला के क्षेत्र में रूचि बढ़ेगी। परिवार में खुशियों का माहौल बना रहेगा। अचानक धन लाभ होने के योग बन रहे है।

तुला शारीरिक व मानसिक रूप से स्वास्थ्य बहुत अच्छा रहने की संभावना है। आपको अपनी मान-प्रतिष्ठा बनाये रखने के लिये समाज के कार्यों में सहयोग देना चाहिए।

वृश्चिक आपके लिए आज का दिन मध्यम रूप से फलदायक रहेगा। आप अपने आप पर ध्यान देंगे और खुद को नए संसाधनों का प्रयोग कर बेहतर बनाने का प्रयास करेंगे।

धनु आज आपका दिन उत्तम रहेगा। अपने कॉन्फिडेंस के दम पर आप हर काम में सफल होंगे। कला या किसी रचनात्मक काम में आपका रूझान बढ़ेगा।

मकर आज का दिन खूब मौज-मस्ती करने का है। समय के साथ आपका रिश्ता और मजबूत होगा। आपके पास कुछ नयी जिम्मेदारियां आयेंगी, जिन्हें आप सफलतापूर्वक निभायेंगे।

कुम्भ आज का दिन आपके लिए काफी अच्छा रहेगा लेकिन सेहत को लेकर आपको चिंतित रहेंगे। पेट में दर्द, एसिडिटी, ऐंठन परेशान कर सकती है।

मीन आज आप अपने स्वास्थ का खास ख्याल रखे। साथ ही माता-पिता के स्वस्थ का भी पूरा ध्यान रखे। घर में नन्हें मेहमान के आने का योग बन रहा है।

रणवीर संग संजय लीला भंसाली फिर जमाएंगे रंग

बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह इंडस्ट्री के पावर पैक सितारे माने जाते हैं। एक्टर की पिछलीकुछ फिल्में बॉक्स ऑफिस पर लगातार फ्लॉप ही रही है। साल 2021 में एक्टर की 83 रिलीज हुई, साल 2022 में जयेशभाई जोरदार और सर्कस आई, तीनों बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिर पड़ीं थी। इन फिल्मों के फ्लॉप होने के बाद यशराज फिल्म्स ने रणवीर को कुछ समय के लिए फिल्मों से दूर रहे ने की सलाह दी थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक आदित्य चोपड़ा के एक बहुत ही करीबी ने इस बात का खुलासा किया है कि रणवीर सिंह संजय लीला भंसाली की अपकमिंग मूवी बैजू बावरा में दिखाई देंगे। रणवीर सिंह संजय के साथ पहले भी रामलीला, बाजीराव मस्तानी और पद्मावत जैसी सुपरहिट मूवीज में काम कर चुके हैं।

रणवीर सिंह और संजय लीला भंसाली की जोड़ी सिल्वर स्क्रीन पर धमाल मचा चुकी है। ये शानदार जोड़ी जितनी बार भी साथ आई है, उतनी बार फिल्मी पर्दे पर मैजिक क्रिएट किया है। अब ये देखना दिलचस्प रहेगा कि दोनों बैजू बावरा से लोगों का दिल जीत पाते हैं या नहीं। रणवीर सिहं और संजय लीला भंसाली के फैंस इस खबर के बाद काफी एक्साइटेड हैं।

बॉलीवुड | मसाला

यशराज करेगा रणवीर के साथ काम

आदित्य चोपड़ा के करीबी ने कहा कि ये गलत खबर है कि यशराज बैनर रणवीर सिंह के साथ काम नहीं करना चाहता है। आदित्य चोपड़ा आज भी रणवीर को बहुत पसंद करते हैं और रणवीर सिंह जल्द संजय लीला भंसाली की फिल्म बैजू बावरा के साथ धमाकेदार वापसी करेंगे। इस फिल्म में रणवीर के साथ आलिया भट्ट नजर आएंगी। बता दे कि इससे पहले दोनों की जोड़ी करण जौहर की फिल्म राजा और रानी की प्रेम कहानी में दिखाई देगी। इस फिल्म में जया बच्चन और शबाना आजमी और धर्मेंद्र मुख्य भूमिका में है।

दूसरी बार माही गिल ने गुपचुप रचाई शादी

माही गिल उन एक्ट्रेसेज में से है जो अपनी पर्सनल लाइफ के साथ-साथ अपनी प्रोफेशनल लाइफ को लेकर भी सुर्खियों में रहती हैं। माही गिल फिल्म इंडस्ट्री में अपनी एक अलग पहचान बनाने में कामयाब रही। एक्ट्रेस ने फिल्म देव डी से अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने पर्दे पर एक से बढ़कर एक किरदार निभाए। हालांकि, एक्ट्रेस पिछले काफी समय से पर्दे से दूर है। वहीं अब अदाकारा को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही हैं।

माही गिल ने गुप-चुप शादी कर ली है। रिपोर्ट में कहा गया है कि माही ने एक्टर-एंटरप्रेन्योर रवि केसर से शादी की है। दोनों ने साल 2019 में आई डिजिटल सीरीज 'फिक्सर' में काम किया था। इस रिपोर्ट में कहा गया है माही ने खुद कंफर्म करते हुए कहा, मैंने उनसे शादी की है।

2019 में किया था मां बनने का खुलासा

साल 2019 में माही ने सभी को चौंका दिया जब उन्होंने अनाउंसमेंट की थी कि उनकी ढाई साल की बेटी है। इस न्यूजपेपर को दिए इंटरव्यू के दौरान एक्ट्रेस ने कहा था, पर्सनल वजह हैं कि मैंने सोशल मीडिया पर वेरोनिका की तस्वीर पोस्ट नहीं की। मैं एक बहुत ही निजी और शर्मीली इंसान हूं और मेरी लाइफ में ऐसी बहुत सी चीजें हुई हैं जो कभी भी पब्लिकली नहीं हुई हैं।

शादी के बाद गोवा में शिफ्ट हुई एक्ट्रेस

रवि केसर संग शादी कर एक्ट्रेस मुंबई से दूर गोवा में शिफ्ट हो गई है। गोवा में वह पति और बेटी वेरोनिका के साथ रह रही है। दोनों ने कब शादी की इस बारे में कोई जानकारी नहीं है।

बॉलीवुड | मन की बात

मैं अपनी पहली हवाईयात्रा में शराब पीकर बेहोश हो गया था : मनोज

हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता मनोज बाजपेयी अपनी कई बेहतरीन फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। हाल ही में उन्होंने एक इंटरव्यू के दौरान अपनी पहली इंटरनेशनल फ्लाइट का एक्सपीरियंस शेयर किया है। बता दें कि एक्टर फ्लाइट में शराब के नशे में बेहोश हो गए थे। मनोज बाजपेयी ने बताया, जब मैं थिएटर करता था, उस दौरान एक्सचेंज प्रोग्राम के तौर पर मुझे पेरिस जाना था। अपनी पहली इंटरनेशनल फ्लाइट के लिए मैं बहुत ज्यादा एक्साइटेड था। जब मैं उसमें बैठा तो वहां शराब दी जा रही थी। मुझे लगा कि शराब बेची जा रही है, लेकिन मेरे पास उस वक्त पैसे नहीं थे। उधर से लौटते वक्त मुझे पता चला कि शराब पीने के लिए कोई पैसे नहीं लगते हैं। फिर वापस लौटते वक्त मैंने इतनी शराब पी ली और वहीं पर बेहोश हो गया। अपनी पहली पेरिस ट्रिप को लेकर एक्टर ने बताया कि उन्होंने अपनी यूरोप यात्रा कई सारी नई-नई चीजें देखीं। जिसमें चॉपस्टिक से खाना भी शामिल था। उन्होंने वहां चॉपस्टिक से खाना खाने की कोशिश की, लेकिन वह इसमें फेल हो गए। बाद में एक महिला ने उन्हें इससे खाना सिखाया। अब वह इससे थोड़ा बहुत खाना सीख गए हैं। आपको बता दें कि मनोज बाजपेयी आखिरी बार राहुल चित्तेला के निर्देशन में बनी फिल्म गुलमोहर में नजर आए थे। इस फिल्म में उनके साथ शर्मिला टैगोर, सिमरन, सूरज शर्मा और अमोल पालेकर जैसे दिग्गज कलाकार भी अहम किरदार में थे। इसके अलावा वह अपनी सुपरहिट वेब सीरीजफैमिली मैन के तीसरे पार्ट में नजर आने वाले हैं।

800 साल पुराना लड़कियों का मिला कंकाल, गहनें पहनाकर दफनाया गया था

दुनियाभर में पुरानी चीजों को खोजने के लिए पुरातत्वविद खुदाई करते रहते हैं। बीते काफी समय से इजराइल में भी पुरानी चीजों की खोज की जा रही है। इस दौरान वहां पर पुरातत्वविदों ने एक हैरान करन वाली खोज की है। यह खुदाई इजराइल की राजधानी यरुशलम की जा रही है, जहां पर 1800 साल पुराने कंकाल मिले हैं। इन कंकालों के साथ ऐसा कुछ मिला है, जिसने लोगों को हैरत में डाल दिया है और कई सवाल भी खड़े किए हैं। यरुशलम में खुदाई के दौरान मिले कंकाल लड़कियों के हैं। इन कंकाल में ज्वेलरी लिपटी हुई थीं। बताया जा रहा है कि 1800 साल पहले लड़कियों के शव को दफनाते समय गहनों से सजाया जाता था। पुरातत्व विभाग ने बताया है कि खुदाई के दौरान मिली चीजों पर रोमन लोगों के चंद्र भगवान लूना का निशान बनाया गया है। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि इन गहनों को लड़कियां पहनती थीं। पुरातत्व विभाग के मुताबिक, लड़कियों की मौत के बाद उनको दफनाया जाता था, लेकिन इसका आधार मान्यता है। बताया जा रहा है कि ल?कियों की रक्षा के लिए ज्वेलरी को उनको पहनाई जाती थी। लड़कियों को मरने से पहले इन गहनों को पहनाया जाता था। इसके अलावा उनको मरने के बाद बहुत सारे गहने पहनाए जाते थे। उनको गहनों से लादा जाता था। इसके पीछे की वजह यह थी कि मौत के बाद भी उनकी रक्षा की जा सके। इस खुदाई में 1800 साल पुराना लड़की का कंकाल पाया गया है। इसकी वजह से बताया जा रहा है कि गहने भी 1800 साल पुराने हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इन गहनों में कंकाल के सोने के ईयरिंग्स, हेयरपिन, गोल्ड पैंडेंट, गोल्ड बीड्स, ग्लास बीड मिले हैं जिनकी कुछ तस्वीर भी सार्वजनिक की गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, खुदाई में मिले गहनों का एक एग्जीबिशन में प्रदर्शन किया जाएगा। इससे पहले भी खुदाई में पुरानी चीजों बरामद हो चुकी हैं। पुरातत्वविद पुरानी चीजों को खोजने के लिए खुदाई करते रहते हैं।

अजब-गजब | पश्चिम बंगाल के नादिया के फुलिया तालतला में लगता है लोगों का मेला

भारत के इस गांव में होती है भूत पूजा

नादिया। बैसाख की पहली ही सुबह से भूत को वास्तविक रूप में देखने के लिए पश्चिम बंगाल के नादिया के फुलिया तालतला में लोगों का तांता लगना शुरू हो गया था। फुलिया तालतला यहां के शांतिपूर पुलिस थाने में पड़ता है। इस गांव की 'भूत पूजा' को देखने के लिए आसपास के गांव के लोग भी पहुंचते हैं। शांतिपूर, रानाघाट, हबीबपुर और फुलिया से काफ़ी लोग यहां आयोजित मेले में इकट्ठा होते हैं। स्थानीय सूत्रों के मुताबिक़, बंटवारे के दौरान 1950 और 1952 के बीच पूर्वी पाकिस्तान से यहां बहुत लोग आए और इस क्षेत्र में बस गए। यह 'भूत पूजा' बांगलादेश में भी मनाया जाता था। जब ये लोग अपना घर-बार छोड़कर बंटवारे के दौरान यहां आए, तो यहां भी 'भूत पूजा' का आयोजन करने लगे।

पर सूत्रों का कहना है कि बांग्लादेश में अब भूत पूजा का उत्सव नहीं मनाया जाता है। आम तौर पर यह भूत पूजा चैत्र मास के शुरू होने पर मनाया जाता है। संन्यासी लोग शिव के मंत्र का उच्चारण करते हुए परिक्रमा करते हैं। 'भुक्त' जिसमें चावल, दाल और दूसरे अनाज आदि शामिल होते हैं, अलग अलग जगहों से इकट्ठा किया जाता है और दिन के समाप्त होने के बाद एक जगह जमा होकर ये लोग इनसे भोजन पकाकर खाते हैं। हर साल गांव के लोग अपने हाथों से 'मूर्ति' बनाते हैं। इस मूर्ति का

सिर और गर्दन नहीं होता पर शरीर के निचले हिस्से में आंख, नाक, मुंह आदि होते हैं। मूर्ति को ज़मीन पर स्थापित कर इसकी पूजा करते हैं। पूजा वर्ष के शुरुआत में की जाती है।

स्थानीय सूत्रों के मुताबिक़, इस पूजा की शुरुआत पांचवीं सदी में यादव सन्यासी ने की। वर्ष के शुरू में, इस पूजा के लिए एक मेले का आयोजन किया जाता है। इस भूत पूजा को लेकर स्थानीय लोगों में बहुत ही गहमागहमी होती है। पर गांव के किसी भी व्यक्ति के पास इस सवाल का जवाब नहीं था कि यह पूजा क्यों शुरू हुई। स्थानीय लोगों ने बताया, इस पूजा को शुरू करने का वास्तविक कारण क्या था इस बारे में कोई कुछ भी नहीं जानता। पर 'भूत पूजा' को शिव की पूजा जैसा माना जाता है। इस अर्थ में, बांग्ला नववर्ष के शुरू में इस पूजा के आयोजन का मतलब है बुरे ख़यालों को त्यागकर नयी ऊर्जा के साथ नए कार्यों को अपनाना। एक स्थानीय निवासी, नानी गोपाल बसाक का कहना था, यह पूजा यहां 55-60 वर्ष पहले शुरू हुआ। अपने बचपन के दिनों से मैं इस पूजा में ऐसी ही भीड़ देखता आया हूं। लोग यहां इस उम्मीद से आते हैं कि इस पूजा में भाग लेने से उनकी मनोकामनाएं पूरी होंगी। आज भी इस पूजा को लेकर लोगों में वही उत्साह बना हुआ है।

लू के थपेड़ों ने किया बेहाल, मौसम विभाग का यलो अलर्ट जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में भी गर्मी की तल्खी दिन ब दिन बढ़ती जा रही है। आंचलिक मौसम विज्ञान केन्द्र ने बुधवार को भी कई जिलों में लू का येलो अलर्ट जारी किया है। गर्मी के कारण कई जिलों में स्कूल का समय बदल दिया गया है। वहीं मंगलवार को कानपुर, गोरखपुर, रायबरेली, शाहजहांपुर और आगरा में लू का असर मौसम विभाग ने दर्ज किया है। वहीं प्रयागराज में अधिकतम पारा सर्वाधिक 44.6 डिग्री दर्ज हुआ।

आंचलिक मौसम विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक, कानपुर में पारा 43 डिग्री, गोरखपुर में 42.6, रायबरेली में 43.6 शाहजहांपुर में 41.5 और आगरा में 43.4 डिग्री सेल्स्यिस दर्ज किया गया अधिकतम तापमान। बांदा, चित्रकूट, कौशांबी, प्रयागराज, फतेहपुर, प्रतापगढ़, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, संत कबीरनगर, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, रायबरेली, अमेठी, सुल्तानपुर, जालौन, हमीरपुर और झांसी।

फोटोः सुमित कुमार

कई जिलों में स्कूल का समय बदला

प्रदेश में भीषण गर्मी का प्रकोप शुरू हो गया है। अधिकतर जिलों में तापमान 40 डिग्री से अधिक पहुंच गया है। इस भीषण गर्मी में अन्य लोगों के साथ-साथ स्कूली बच्चे ज्यादा ही परेशान हैं। इसे लेकर स्थानीय स्तर पर बेसिक शिक्षा अधिकारियों ने अपने स्तर से स्कूल के समय में बदलाव शुरू किया है। किंतु अलग-अलग जिले में अलग-अलग समय होता जा रहा है। बढ़ती गर्मी के मद्देनजर राज्य स्तर से कोई एक समान समय तय न किए जाने से बच्चे, अभिभावक व शिक्षक सभी परेशान हैं। अप्रैल के दूसरे सप्ताह में ही गर्मी अपने तेवर दिखा रही है। शासन की ओर से स्कूलों के लिए सुबह आठ से

दोपहर दो बजे तक का समय तय है। सुबह तो बच्चों को स्कूल आने में दिक्क त नहीं होती, लेकिन सुबह 11-12 बजे के बाद से ही गर्म हवा के थपेड़े चलने लगते हैं। ऐसे में दोपहर एक-दो बजे बच्चों को स्कूल से वापस लौटने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई जगह फसलों की कटाई को ध्यान में रखते हुए दिन में विद्युत आपूर्ति नहीं की जा रही है।

नहीं रहे नवाब जाफर मीर अब्दुल्ला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनवी महफिल की शान नवाब जाफर मीर अब्दुल्ला सुपुर्द-ए-खाक कर दिए गए। (72) वर्षीय अब्दुल्ला का मंगलवार शाम विवेकानंद हॉस्पिटल में हृदयगति रुकने से निधन हो गया। किडनी में दिक्कत के चलते उनका लंबे समय से इलाज भी चल रहा था। वह न केवल लखनवी तहजीब को बढ़ावा देते थे बल्कि उसे जीते भी थे। उनका

पहनावा, मिलने का अंदाज, खानपान सब नवाबी था। शायद यही कारण है कि शहर में बनीं कई मशहूर फिल्मों में निर्माताओं ने उन्हें अभिनय का मौका दिया और इसके जरिये उन्होंने अपने लखनवी अंदाज की छाप छोड़ी।

वह एक सामाजिक कार्यकर्ता भी थे। लोगों के सुख-दुख में हमेशा शरीक होते थे। उन्हें 2016 में यश भारती सम्मान से सम्मानित किया गया। उनके छोटे भाई नवाब मसूद अब्दुल्ला ने बताया कि उनका जन्म 17 मार्च 1951 को लखनऊ में ही हुआ था। उनकी शिक्षा दीक्षा यहीं लखनऊ में हुई। उन्होंने लामार्टीनियर कॉलेज से 12वीं तक की पढ़ाई की। इसके बाद अलीगढ़ मुस्लिम विवि से बीएससी ऑनर्स व लखनऊ विवि से एलएलबी की पढ़ाई की। उनकी तीन बेटियां हैं। पत्नी बेगम परवीन जाफर का निधन कुछ समय पहले हो गया था। उन्हें शहर में लोग नवाब साहब कहकर पुकारते थे। किडनी में दिक्कत के चलते कुछ दिन उन्होंने डायलिसिस कराई, लेकिन फिर वह ठीक हो गए थे। शादी ब्याह व सामाजिक कार्यक्रमों में शिरकत करने लगे थे। उनके निधन का समाचार पाकर पुराने लखनऊ स्थित उनके आवास पर मंगलवार देर रात तक उनके चाहने वालों का आना जाना लगा रहा। उनके साथ लंबा वक्त गुजार चुके चचा अमीर हैदर ने कहा कि वह लखनऊ की चलती फिरती तहजीब थे। उनका निधन लखनऊ के लिए बड़ा नुकसान है।

विकास दुबे व लवलेश के मध्यप्रदेश गृहमंत्री से हैं संबंध : दिग्विजय सिंह

» पुलिस कस्टडी में हत्या की जांच सीबीआई करे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। अतीक और अशरफ की हत्या को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने कहा कि अतीक और उनका परिवार आपराधिक गतिविधियों में लिप्त रहा है। अतीक के गैंग ने हिंदू से ज्यादा मुस्लिमों को प्रताड़ित किया है। उसके बेटे का एनकाउंटर तो पुलिस ने किया, लेकिन पुलिस कस्टडी में हत्या होने पर पुलिस की जिम्मेदारी है। इसकी ईडी या सीबीआई जांच करनी चाहिए। किन किन से अतीक के संबंध थे। इसका खुलासा होना चाहिए।

माफिया का हेड तो गया, लेकिन इनसे जुड़े बिल्डर, नेता, उद्योगपतियों के नाम उजागर होना चाहिए। जिन व्यापारियों के अतीक ने नाम लिए उनके संबंधों का भी खुलासा होना चाहिए। बाकी माफिया खत्म होना चाहिए। दिग्विजय सिंह ने कहा कि एमपी में लवलेश तिवारी बालाघाट आया था। विकास दुबे ने महाकाल मंदिर को क्यों चुना? गृहमंत्री का विकास दुबे और लवलेश से क्या संबंध है? क्या गृहमंत्री का संरक्षण उसे था? गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा को जवाब देना चाहिए।

अतीक अहमद-अशरफ हत्याकांड का सच बाहर आना चाहिए : कमलनाथ

भोपाल। कमलनाथ ने नेमावर में हुए आदिवासी परिवार के सामूहिक हत्याकांड को लेकर भी सवाल खड़े किए। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ से पूछा गया कि अतीक अहमद और अशरफ अहमद हत्याकांड को लेकर वे क्या सोचते हैं? इस सवाल के जवाब पर पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा कि यह किसी व्यक्ति या पार्टी का प्रश्न नहीं है। यह देश की जनता इस घटना को कैसे लेती है? यह विचारणीय प्रश्न है. पहली बार लोगों ने टेलीविजन पर हत्या को लाइव देखा है. उन्होंने कहा कि इस बात की जांच होना थी चाहिए कि हत्यारे कौन थे? कहां से आए थे और किसके कहने पर उन्होंने वारदात को अंजाम दिया? उन्होंने यह भी कहा कि इस बात की भी जांच होना चाहिए कि आठ लाख रुपये के हथियार हमलावर कहां से और कैसे लाए थे?

आरोप लगा रहे हो तो प्रमाण भी दो : नरोत्तम मिश्रा

दिग्विजय सिंह के सवाल पर गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने पलटवार किया। उन्होंने कहा कि दिग्विजय सिंह जी सुन लो न ही मेरे किसी विकास और लवलेश तिवारी से संबंध है। 10 साल तक मुख्य मंत्री तो आप रहे हो, आरोप लगा रहे हो तो प्रमाण भी दो। मिश्रा ने कहा कि आप के मंत्री उमंग सिंगार ने तो आप को माफियाओं का सर्टीफाइड सरदार बताया था तो उसका भी जवाब दो। इंदौर, रतलाम के माफिया खान बंधुओं से आपका क्या याराना है वह भी जनता को बताएं। गुना में जिन शिकारियों ने पुलिसकर्मियों की हत्या की थी उनके आपसे क्या संबंध थे वह भी जनता को बताएं। 2018 नक्सली कमांडर के पर्चे में दिग्विजय जी आप का फोन नंबर क्यों था उस याराने को वह भी जनता को बताएं। अतंकवादी और आपके लिए शान्ति दूत जाकिर नाइक से आपका क्या दोस्ताना है वह भी जनता को बताएं

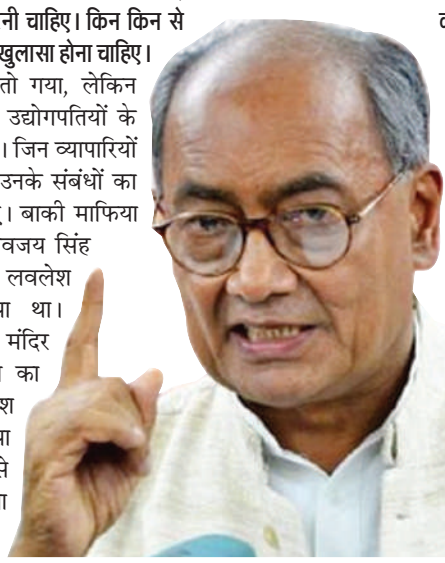

सचिन के बेटे ने जमाया रंग, मुंबई की जीत

» अंतिम ओवर में अर्जुन तेंदुलकर ने बचाये 20 रन, झटका आईपीएल का अपना पहला विकेट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। आईपीएल के 25वें मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद को मुंबई इंडियंस के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में मुंबई ने 14 रन से जीत हासिल की। सनराइजर्स के कप्तान एडेन मार्कर्म ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। मुंबई ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 192 रन बनाए। जवाब में हैदराबाद की टीम 19.5 ओवर में 178 रन पर ऑलआउट हो गई।

अर्जुन ने 2.5 ओवर में 18 रन दिए- सनराइजर्स हैदराबाद को आखिरी ओवर में 20 रनों की आवश्यकता थी। मुंबई के कप्तान रोहित शर्मा ने युवा अर्जुन तेंदुलकर को गेंदबाजी के लिए बुलाया। अर्जुन ने कप्तान के भरोसे को सही साबित किया और सिर्फ चार रन दिए।

उनके इस ओवर में दो विकेट भी गिरे। दूसरी गेंद पर अब्दुल समद रनआउट हो गए और पांचवीं गेंद पर अर्जुन तेंदुलकर ने भुवनेश्वर कुमार को रोहित शर्मा के हाथों कैच कराकर सनराइजर्स की पारी को समेट दिया। अर्जुन ने 2.5 ओवर में 18 रन दिए। उन्हें एक सफलता मिली। सनराइजर्स के कप्तान एडेन मार्कर्म ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया।

मुंबई ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 192 रन बनाए। जवाब में हैदराबाद की टीम 19.5 ओवर में 178 रन पर ऑलआउट हो गई। सनराइजर्स की जीत का क्रम टूट गया है। उसे पिछले दो मुकाबलों में सफलता मिली थी, लेकिन वह जीत की हैट्रिक नहीं लगा सकी। वहीं, मुंबई की यह लगातार तीसरी जीत है। सनराइजर्स के लिए पांच बल्लेबाज ही दहाई का आंकड़ा पार कर पाए। मयंक अग्रवाल ने 41 गेंद पर सर्वाधिक 48 रन बनाए।

खतरे में आ सकती है भाजपा-शिंदे सरकार!

» विधायकों के साथ भाजपा में शामिल हुए अजित पवार तो हम नहीं होंगे सरकार का हिस्सा : शिरसाट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना प्रवक्ता संजय शिरसाट ने कहा कि अगर अजित पवार भाजपा में शामिल होते हैं तो एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना महाराष्ट्र में सरकार का हिस्सा नहीं होगी। शिवसेना प्रवक्ता संजय शिरसाट ने कहा है कि अजित पवार अगर एनसीपी नेताओं के समूह के साथ भाजपा में शामिल होते हैं तो हम महाराष्ट्र में सरकार का हिस्सा नहीं होंगे।

संजय शिरसाट ने कहा कि उन्हें लगता है कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी सीधे भाजपा के साथ नहीं जाएगी। हमारी नीति इसके बारे में स्पष्ट है। एनसीपी एक ऐसी पार्टी है जो विश्वासघात करती है। हम सत्ता में भी एनसीपी के साथ नहीं होंगे। अगर बीजेपी एनसीपी को अपने साथ ले जाती है, तो महाराष्ट्र इसे पसंद नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि लोगों को उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना, कांग्रेस और राकांपा के साथ जाना पसंद नहीं आया था।

अजित पवार का अकेले आने पर करेंगे स्वागत : शिरसाट

संजय शिरसाट ने कहा कि अजित पवार ने कुछ भी नहीं कहा है, जिसका मतलब है कि वह एनसीपी में नहीं रहना चाहते हैं। हमने कांग्रेस-एनसीपी को छोड़ दिया, क्योंकि हम उनके साथ नहीं रहना चाहते थे। अजित पवार के पास वहां फ्री हैंड नहीं है। इसलिए, अगर वह एनसीपी छोड़ते हैं, तो हम उनका स्वागत करेंगे। अगर वह एनसीपी (नेताओं) के एक समूह के साथ आते हैं, तो हम सरकार में नहीं होंगे।

पार्थ पवार के चुनाव हारने की वजह से नाराज हैं अजित

उन्होंने कहा कि अजित पवार की नाराजगी इसलिए है, क्योंकि उनके बेटे पार्थ पवार पहले चुनाव हार गए थे। उनकी नाराजगी का सुप्रीम कोर्ट के समक्ष लंबित शिवसेना के 16 विधायकों को अयोग्य ठहराने की याचिका के मामले से कोई संबंध नहीं है। शिरसाट को हाल ही में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना का प्रवक्ता नियुक्त किया गया था।

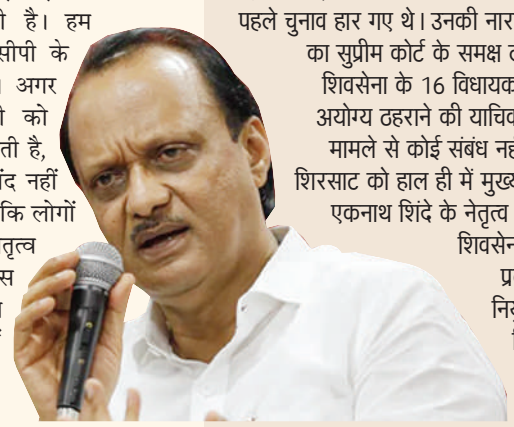

समलैंगिक विवाह पर राज्यों से राय लेगा केंद्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। समलैंगिकों के विवाह को कानूनी मान्यता देने की मांग पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई शुरू हो चुकी है। केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर किया है कि वह इस मामले में सभी राज्यों का पक्ष जानें। इसके लिए केंद्र ने राज्यों को भी पत्र लिखकर इस मामले पर उनके विचार मांगे हैं। केंद्र ने पहले सुप्रीम कोर्ट से अनुरोध किया था कि समलैंगिक जोड़े के लिए शादी करने के अधिकार की मांग करने वाली याचिकाओं पर कार्यवाही में सभी राज्यों को पक्षकार बनाया जाए। लेकिन कोर्ट ने इस अनुरोध को खारिज कर दिया था। हालांकि अब केंद्र ने राज्यों को पत्र लिखकर इस मामले पर उनके विचार मांगे हैं।

गौरतलब है, याचिकाकर्ता पक्ष समानता और सम्मान से जीवन जीने के अधिकार का हवाला देते हुए सुप्रीम कोर्ट से समलैंगिकों के विवाह को मान्यता देने की मांग कर रहा है। वहीं केंद्र सरकार ने सुनवाई का कड़ा विरोध करते हुए कहा था कि यह विषय ऐसा नहीं है जहां पांच विद्वान लोग बैठकर पूरे समाज के बारे में फैसला कर दें। ऐसे में केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट से अनुरोध किया था कि समलैंगिकों के विवाह की मांग करने वाली याचिकाओं पर कार्यवाही में सभी राज्यों को पक्षकार बनाया जाए। हालांकि कोर्ट ने इस अनुरोध को खारिज कर दिया। अब केंद्र ने राज्यों को पत्र लिखकर समलैंगिकों के विवाह पर उनके विचार मांगे हैं।

केंद्र का कहना है कि राज्यों के साथ विचार-विमर्श करने और कोर्ट के सामने अपने विचार रखने की अनुमति मिलनी चाहिए। साथ ही तब तक के लिए सुनवाई को स्थगित कर देना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट में केंद्र का हलफनामा

विधायक अब्बास अंसारी की जमानत याचिका खारिज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मऊ। विधानसभा चुनाव के दौरान एक जनसभा में अधिकारियों को धमकी देने के मामले में आरोपी विधायक अब्बास अंसारी की ओर से को सीजेएम एमपी/ एमएलए कोर्ट में जमानत के लिए अर्जी दी गई। जिस पर सीजेएम श्वेता चौधरी ने अब्बास अंसारी के अधिवक्ता और सहायक अभियोजन अधिकारी रविंद्र प्रताप यादव के तर्कों को सुनने तथा केस डायरी का अवलोकन करने के बाद जमानत अर्जी खारिज कर दिया।

मामला शहर कोतवाली क्षेत्र का है।अभियोजन के अनुसार एसआई गंगाराम बिंद की तहरीर पर शहर कोतवाली में

अपराध संख्या 97/ 22 धारा 506, 171च भादवि के तहत एफआईआर दर्ज हुई। इसमें सदर विधायक अब्बास अंसारी व अन्य को आरोपी बनाया गया।

कर्नाटक सीएम बोम्मई ने किया नामांकन

» कांग्रेस पर बरसे - कहा लिंगायतों के लिए आरक्षण का किया विरोध

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बंगलुरू। कर्नाटक के सीएम बसवराज बोम्मई ने विधानसभा क्षेत्र से अपना नामांकन दाखिल किया है। इस अवसर पर बोम्मई ने कांग्रेस को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि कर्नाटक में लिंगायत मतदाता सतर्क हैं।

कर्नाटक में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस पर निशाना साधा है। उसका कहना है कि कांग्रेस ने दक्षिणी राज्य में राजनीतिक रूप से प्रभावशाली लिंगायत समुदाय के मतदाताओं को नजरअंदाज किया और उनके साथ धोखा

किया है। उन्होंने हमेशा सही निर्णय लिया है। विधानसभा चुनावों की घोषणा के बाद कांग्रेस ने उनके लिए विशेष प्रेम दिखाया है। यह वही पार्टी थी, जिसने लिंगायतों और वीरशैवों को विभाजित करने की कोशिश की थी। लोग कांग्रेस पार्टी की फूट डालो और राज करो की नीति को नहीं भूले हैं। बोम्मई ने कहा कि कांग्रेस चुनाव के दौरान लिंगायतों पर विशेष प्यार जताती है। गौरतलब है, मुधोल में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने भी लिंगायतों के लिए आरक्षण का विरोध किया था।

सिद्धारमैया पीएफआई के संरक्षक : जेपी नड्डा

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भी कांग्रेस पर वार किया। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया पर पीएफआई के संरक्षक होने का आरोप लगाया। नड्डा ने हुबली में कहा कि कांग्रेस के सिद्धारमैया ने पीएफआई के खिलाफ मामले वापस ले लिए। वहीं पीएफआई के 1,700 कार्यकर्ताओं को जेल से रिहा किया। सिद्धारमैया उनके संरक्षक हैं। बता दें, केंद्र ने पिछले साल सितंबर में पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) पर प्रतिबंध लगा दिया था।

भारत ने आबादी में चीन को पछाड़ा

संयुक्त राष्ट्र ने जारी की रिपोर्ट, इस साल ही 30 लाख ज्यादा हो जाएगी भारतीय जनसंख्या

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत चीन को पीछे छोड़कर दुनिया का सबसे आबादी वाला देश बन गया है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार भारत की आबादी 142.86 करोड़ हो गई है। जबकि चीन की आबादी 142.57 करोड़ है। गौरतलब है, संयुक्त राष्ट्र ने बुधवार सुबह एक रिपोर्ट जारी की थी। इसमें कहा गया था कि भारत इस साल के मध्य तक दुनिया का सबसे आबादी वाला देश बन जाएगा। साथ ही संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी आंकड़ों से पता चला कि भारत 30 लाख से अधिक लोगों के साथ चीन को पीछे छोड़ते हुए सबसे अधिक आबादी वाला देश बन जाएगा।

संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) के स्टेट ऑफ वर्ल्ड पॉपुलेशन रिपोर्ट, 2023 के

जनसांख्यिकीय आंकड़ों का अनुमान है कि चीन की 142.57 करोड़ की तुलना में भारत की जनसंख्या 142.86 करोड़ है। अगर आंकड़ों पर गौर करें तो अमेरिका 34 करोड़ की आबादी के साथ तीसरे नंबर पर है।

165 करोड़ जा सकती है आबादी

यूएनएफपीए की एक नई रिपोर्ट के अनुसार, भारत की 25 प्रतिशत जनसंख्या 0-14 वर्ष के आयु वर्ग की है। वहीं 18 प्रतिशत 10 से 19 आयु वर्ग, 26 प्रतिशत 10 से 24 आयु वर्ग, 68 प्रतिशत 15 से 64 वर्ष आयु वर्ग में और 65 वर्ष से ऊपर 7 प्रतिशत है। वहीं, विभिन्न एजेंसियों के अनुमानों ने सुझाव दिया है कि भारत की जनसंख्या लगभग तीन दशकों तक बढ़ती रहने की उम्मीद है। इससे आबादी 165 करोड़ हो सकती है। जनसंख्या विशेषज्ञों ने संयुक्त राष्ट्र के पिछले आंकड़ों का उपयोग करते हुए अनुमान लगाया था कि भारत इस महीने चीन को पीछे छोड़ देगा। कहा गया था कि अभी यह नहीं पता है कि इस बदलाव में कितना समय लगेगा। लेकिन बुधवार दोपहर तक संयुक्त राष्ट्र ने एक और रिपोर्ट जारी की है। इसमें कहा गया है कि भारत सबसे ज्यादा आबादी वाला देश बन गया है। हालांकि भारत की जनगणना साल 2011 में हुई थी।

छह दशकों में पहली बार चीन की आबादी में कमी

गौरतलब है, पिछले साल छह दशकों में पहली बार चीन की आबादी में गिरावट आई थी। इसके बाद चीन की आबादी में कमी ही देखी जा रही है। कहा जा रहा है कि इसका असर अर्थव्यवस्था पर भी पड़ेगा। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, भारत की वार्षिक जनसंख्या वृद्धि 2011 के बाद से औसतन 1.2 फीसदी रही है, जबकि पिछले 10 वर्षों में यह 1.7 फीसदी थी।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।